Ma Laxmi
Ma Laxmi
Present Township
Near By World 4th
Largest Airport
JEWAR AIRPORT CITY

Ma Laxmi | JEWAR AIRPORT CITY

SITE ACTUAL IMAGE

Jewar Airport City

Ma Laxmi | JEWAR AIRPORT CITY

SITE AMENITIES

Gated Community

Ma Laxmi | JEWAR AIRPORT CITY

SITE AMENITIES

Wide Concrete Road

Ma Laxmi | JEWAR AIRPORT CITY

SITE AMENITIES

Club House

Ma Laxmi | JEWAR AIRPORT CITY

SITE

Park

Ma Laxmi | JEWAR AIRPORT CITY

WAY TO REACH

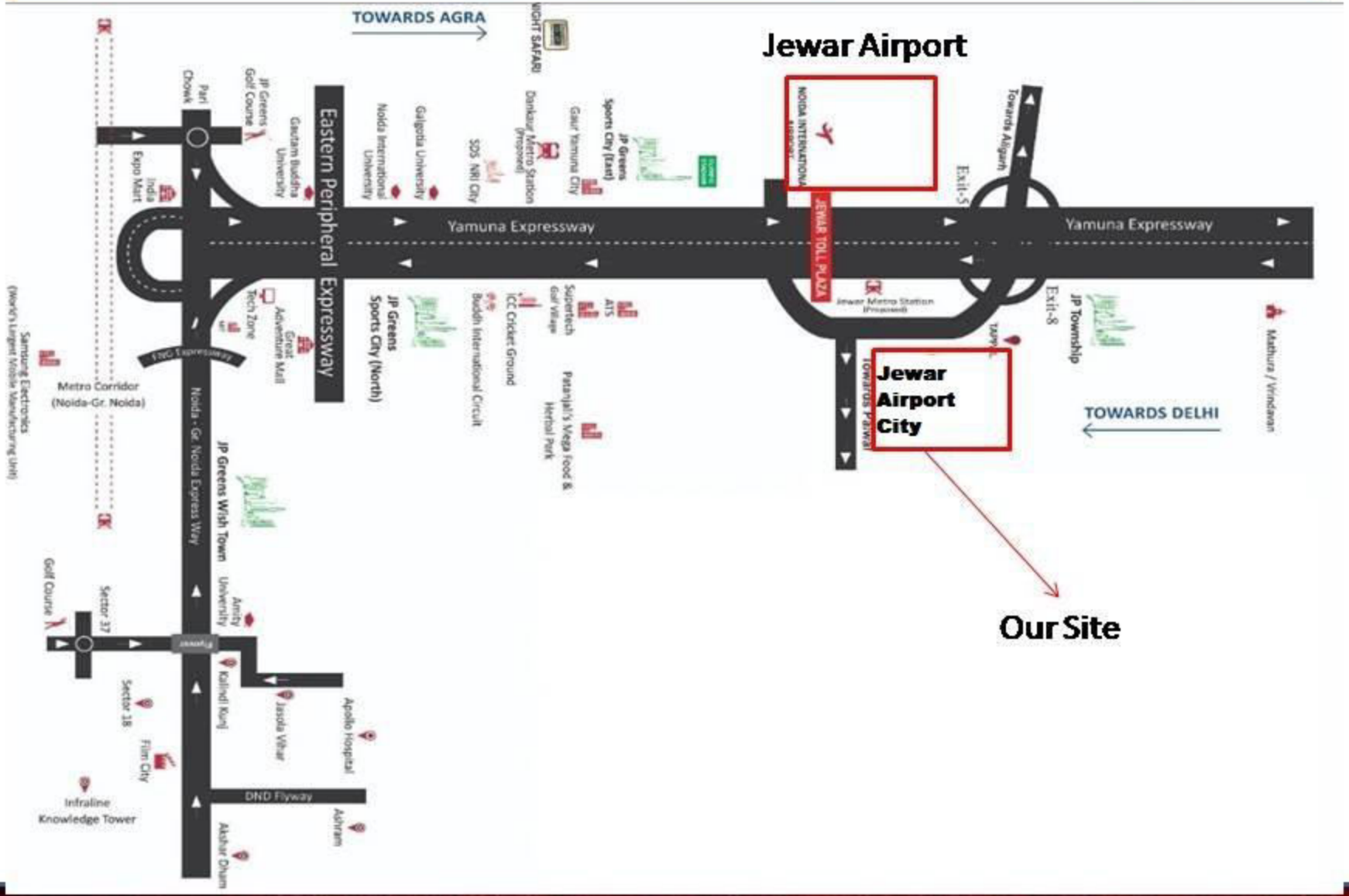

Ma Laxmi | JEWAR AIRPORT CITY

Location Advantages

Noida International Airport
10 Minutes

Proposed Metro Station (Jewar) -10 Minutes

International Cricket Stadium -12 Minutes

F1 Buddh International Circuit -15 Minutes

Galgotias Universities -18 Minutes

Patanjali Food & Herbal Park -15 Minutes

Ma Laxmi | JEWAR AIRPORT CITY

Location Advantages

Gautam Buddh University - 20 Minutes

Jaypee Hospital (Noida) - 35 Minutes

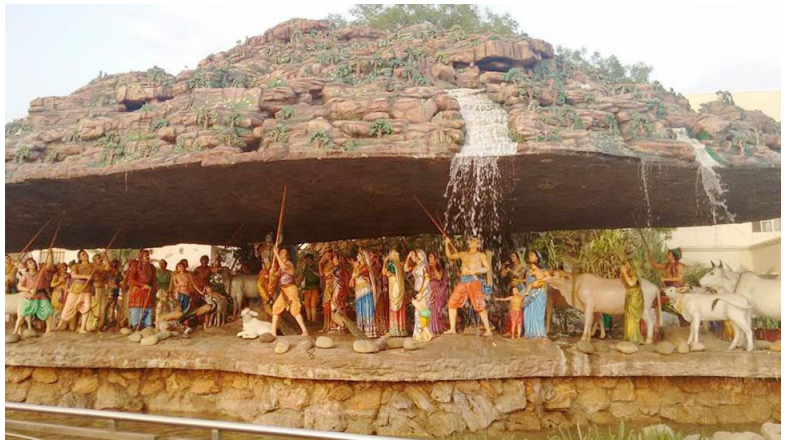

Vrindavan - 45 Minutes

Yamuna ExpressWay - 5 Minutes

Ma Laxmi | JEWAR AIRPORT CITY

News Cuttings

देश का सबसे बड़ा एयरपोर्ट धरातल पर उतरने को तैयार

प्रदेश सरकार ने बिड जारी करने पर दी सहमति, आठ रनवे का होगा जेवर एयरपोर्ट

1334
हेक्टेयर जमीन एयरपोर्ट के लिए अधिग्रहण

2850
करोड़ किसानों को वितरित होने वाला मुआवजा

2007
में एयरपोर्ट का तैयार हुआ था प्रस्ताव

2022-23
से शुरु होंगी उड़ान

3627
एयरपोर्ट से विस्थापित परिवारों की संख्या

02
रनवे पहले चरण में

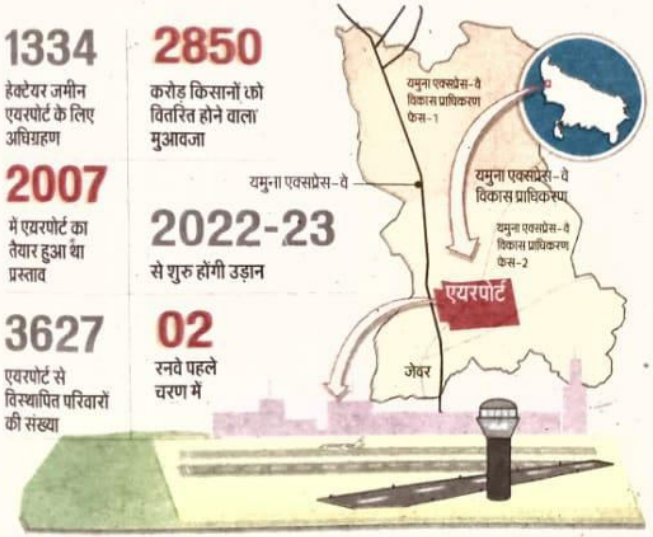

जागरण संवाददाता, ग्रेटर नोएडा : जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट धरातल पर उतरने को तैयार है। इसके साथ गौतमबुद्ध नगर व आसपास के इलाके की तस्वीर बदलने जा रही है। प्रदेश कैबिनेट ने मंगलवार को एयरपोर्ट की बिड जारी करने की अनुमति प्रदान कर दी है। पांच हेक्टेयर क्षेत्रफल व आठ रनवे के साथ जेवर एयरपोर्ट देश का सबसे बड़ा एयरपोर्ट होगा। हालांकि पहले फेज में दो रनवे का ही निर्माण होगा। 2022-23 से एयरपोर्ट से हवाई सेवाओं की शुरुआत का लक्ष्य है।

राजनीतिक दांव-पेंच से उबरने में लग गया एक दशक: बसपा सरकार ने 2007 में जेवर में एयरपोर्ट का प्रस्ताव तैयार किया था। लेकिन दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट से 150 किमी की दूरी इसके आड़े आ गई। इसके बाद एयरपोर्ट राजनीतिक दांव-पेंच में फंस गया। प्रदेश में 2012 में सपा सरकार आने के बाद दिल्ली व जेवर एयरपोर्ट को बीच दूरी के पेंच का फायदा उठाते हुए इसे आगरा या फिरोजाबाद में बनाने के प्रयास शुरू हो गए। लेकिन यह कोशिश सफल नहीं हो सकी। 2014 में केंद्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने और गौतमबुद्ध नगर के सांसद डा. महेश शर्मा को नागरिक उड्डयन विभाग में राज्यमंत्री बने तो उन्होंने इस परियोजना

दिल्ली-एनसीआर को करीब लाएगा जेवर एयरपोर्ट

जेवर एयरपोर्ट दिल्ली एनसीआर को भी करीब लाएगा। एयरपोर्ट की कनेक्टिविटी के लिए मेट्रो की डीपीआर तैयार हो चुकी है। 2025 तक एयरपोर्ट मेट्रो दौड़ने लगेगी। ग्रेटर नोएडा नॉलेज पार्क दो से एयरपोर्ट तक करीब 35 किमी लंबे मेट्रो ट्रैक का निर्माण होगा। इस पर 5708 करोड़ रुपये खर्च का अनुमान है। एयरपोर्ट टर्मिनल तक मेट्रो रूट पर 25 स्टेशन होंगे। पहले दिन से मेट्रो को 82242 करोड़ यात्री मिलने का अनुमान लगाया गया है। आइजीआइ (इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा) से जेवर एयरपोर्ट को कनेक्टिविटी के लिए प्रदेश सरकार केंद्र को पहले ही प्रस्ताव भेज चुकी है। एलिवेटिड रोड से दोनों एयरपोर्ट को जोड़ने की योजना है। एयरपोर्ट की बिड तैयार करने वाली एजेंसी प्राइस वाटर हाउस कूपर (पीडब्ल्यूसी) के अनुसार पश्चिम उत्तर प्रदेश, दिल्ली एनसीआर समेत उत्तराखंड, हरियाणा, राजस्थान से एयरपोर्ट को यात्री मिलेंगे।

छह गांव की जमीन का हो रहा है अधिग्रहण

जेवर एयरपोर्ट के पहले चरण के लिए रोही, पारोही, दयानतपुर, किशोरपुर, रन्हेरा, बनवारीवास गांव की 1334 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण किया जा रहा है। इसमें 94 हेक्टेयर जमीन सरकारी होने के कारण इसका पुनर्ग्रहण हो रहा है। जिला प्रशासन करीब दो सौ करोड़ रुपये मुआवजा वितरित कर चुका है। वहीं ग्रामीण नए भूमि अधिग्रहण कानून के तहत सर्किल रेट का चार गुना मुआवजा मांग रहे थे।

दो रनवे से होगी एयरपोर्ट की शुरुआत

जेवर एयरपोर्ट पर आठ रनवे होंगे। यह देश का सबसे बड़ा एयरपोर्ट होगा। एयरपोर्ट की शुरुआत दो रनवे से होगी। यात्रियों की संख्या बढ़ने के साथ जेवर एयरपोर्ट पर रनवे की संख्या बढ़ाई जाएगी। शुरुआत में एक करोड़ बीस लाख सालाना यात्री जेवर एयरपोर्ट से हवाई सेवाओं का उपयोग करेंगे। प्रदेश सरकार ने एयरपोर्ट के लिए नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट कंपनी लिमिटेड (निआल) का गठन किया है। इस कंपनी में प्रदेश सरकार व नोएडा प्राधिकरण 37.5-37.5 फीसद व ग्रेटर नोएडा और यमुना प्राधिकरण 12.5-12.5 फीसद के हिस्सेदार हैं। जमीन अधिग्रहण के लिए तीनों प्राधिकरण व प्रदेश सरकार ने 2850 करोड़ रुपये जुटाए हैं। पुनर्वास पर 1500 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

जेवर बांगर गांव के पास बसेंगे विस्थापित परिवार

जेवर एयरपोर्ट के लिए रोही, दयानतपुर व किशोरपुर के 3627 परिवारों का विस्थापन होगा। इन परिवार को जेवर नगर पंचायत के करीब आधा किमी दूर जेवर बांगर में बसाया जाएगा। यहां बजट को भी स्वीकृति दे दी है। विस्थापित परिवार को गांव में कवर्ड एरिया के क्षेत्रफल का पचास फीसद भूखंड मिलेगा। इसकी रजिस्ट्री निशुल्क होगी। परिसंपत्ति के मूल्य का दो

प्रदेश में भाजपा की योगी सरकार आने पर केंद्र व राज्य सरकार ने जेवर एयरपोर्ट को धरातल पर लाने में तेजी दिखाई। जून 2017 में जेवर में इंटरनेशनल एयरपोर्ट अधिग्रहण की प्रक्रिया भी शुरु हो गई।

चुनाव के दौरान भी आगे बढ़ता रहा जेवर एयरपोर्ट: लोकसभा चुनाव से पहले जेवर एयरपोर्ट की बिड जारी करने व भवन का लोकार्पण करने पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जेवर में देश के सबसे बड़े एयरपोर्ट की घोषणा की थी। चुनाव प्रक्रिया के दौरान की एयरपोर्ट की फाइल

Ma Laxmi | JEWAR AIRPORT CITY

News Cutting

अब नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट तक जाएगी मेट्रो

फिजिबिलिटी पर कमेटी की बनी सहमति, इसी माह प्रस्तावित बोर्ड बैठक में प्रस्ताव पर मुहर लगने के आसार

अमर उजाला ब्यूरो

ग्रेटर नोएडा।

प्रस्तावित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के चलते परी चौक से जेवर तक मेट्रो की फिजिबिलिटी पर सहमति बन गई है। आगामी 15 जनवरी के आसपास प्रस्तावित बोर्ड बैठक में मुहर लगने के आसार हैं।

दरअसल, जेवर तक मेट्रो ले जाने की कवायद 2012 से ही शुरू हो गई थी। 2015 में परी चौक से एक्सप्रेसवे के समानांतर जेवर तक मेट्रो की फिजिबिलिटी रिपोर्ट तैयार कराई गई, लेकिन बसावट न होने के कारण फिजिबिलिटी तय नहीं हुई, जिससे इसे ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। 2017 में जेवर एयरपोर्ट को मंजूरी मिलने के कारण फिर से मेट्रो चलाने का फैसला लिया गया। नोएडा से ग्रेटर नोएडा तक मेट्रो परी चौक से गुजर रही है।

यमुना प्राधिकरण परी चौक से जेवर तक करीब 35 किलोमीटर लंबा रूट बनाना चाह रहा है, जिससे कि एयरपोर्ट तक यात्रियों को पहुंचने में आसानी हो। इस रूट की फिजिबिलिटी तय करने के लिए ओएसडी शैलेंद्र भाटिया की

ग्रेनो वेस्ट मेट्रो : डीपीआर तैयार, हरी झंडी का इंतजार

नोएडा-ग्रेटर नोएडा मेट्रो चलने में हो सकती है देरी

अमर उजाला ब्यूरो

नोएडा।

नोएडा-ग्रेटर नोएडा कॉरिडोर पर पहले से तय लक्ष्य से मेट्रो के चलने में देरी हो सकती है। इसकी कई वजहें बताई जा रही है। हालांकि प्रमुख वजह तीन माह का मेट्रो का ट्रायल है।

दरअसल, पहले से अप्रैल 2018 में मेट्रो चलाने का लक्ष्य रखा गया था। इससे पहले ट्रायल के लिए दिसंबर के मध्य में चीन से चार कोच की ट्रेन भी आ गई। अगर दिसंबर के अंतिम सप्ताह में ट्रायल शुरू हो जाता तो मार्च तक यह पूरा हो जाता। नियम के मुताबिक किसी भी मेट्रो को

03 माह के ट्रायल के बाद संचालन मई के अंतिम या जून के पहले सप्ताह तक हो सकता है

21 स्टेशन हैं इस कॉरिडोर पर

5500 करोड़ का बजट निर्धारित किया गया है इसे बनाने के लिए

5 स्टेशन नोएडा और छह स्टेशन ग्रेटर नोएडा में होंगे

दिसंबर 2018 तक सेक्टर-62 पहुंचने का लक्ष्य

डीएमआरसी की ब्लू लाइन फिलहाल सिटी सेंटर तक आती है। लेकिन इसका विस्तार करते हुए इसे सेक्टर-62 के नोएडा इलेक्ट्रॉनिक सिटी मेट्रो स्टेशन तक लाने की योजना है। इसका लक्ष्य दिसंबर 2018 तय

Ma Laxmi

JEWAR
AIRPORT
CITY

News Cuttings

जागरण

खुशखबरी : नौ मार्च को जेवर एयरपोर्ट की आधारशिला रखेंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली, जेएनएन। दिल्ली से सटे ग्रेटर नोएडा के जेवर में प्रस्तावित जेवर एयरपोर्ट की आधारशिला रखने के लिए पीएम मोदी नौ मार्च को आ रहे हैं। पीएम नरेंद्र मोदी के साथ सीएम योगी भी उपस्थित रहेंगे। इस जेवर एयरपोर्ट के बनने से दिल्ली-एनसीआर के लोगों को काफी फायदा होगा। लोगों को हर उड़ान के लिए आइजीआइ एयरपोर्ट

जेवर एयरपोर्ट के बिड डॉक्यूमेंट पर लगी यूपी कैबिनेट की मोहर

जेवर एयरपोर्ट से चमकेगा जिला

खुर्जा/बुलंदशहर | हमारे संवाददाता

चुनाव आचार संहिता के हटते ही उत्तर प्रदेश सरकार वर्किंग मूड में आ गई है। जेवर एयरपोर्ट के लिए ग्लोबल बिड डॉक्यूमेंट पर उत्तर प्रदेश कैबिनेट ने हरी झंडी देते हुए 894 करोड़ रुपयों की मंजूरी दे दी है, जिससे पुनर्स्थापन व पुनर्व्यवस्थापन के लिए काम होगा। कैबिनेट के फैसले से क्षेत्र के लोगों में खुशी का माहौल बना हुआ है। जेवर एयरपोर्ट से बुलंदशहर समेत पश्चिम के कई जिले चमक जाएंगे। जेवर एयरपोर्ट का निर्माण होने से क्षेत्र को

खुशी का माहौल

- पुनर्व्यवस्थापन को मिली 894 करोड़ की मंजूरी
- आचार संहिता के चलते ग्लोबल बिड जारी करने में हुई देरी

यूपी कैबिनेट की स्वीकृति न मिल पाने के कारण ग्लोबल बिड जारी होने में देरी हो रही थी। चुनाव आचार संहिता हटते ही कैबिनेट वर्किंग के मूड में है। मंगलवार को कैबिनेट के फैसले के बाद सभी बाधाओं को दूर कर दिया गया है। उत्तर प्रदेश सरकार ने इसके लिए

मंजूरी दी है। कयास लगाए जा रहे हैं कि आगामी 30 मई तक जेवर एयरपोर्ट बनाने के लिए ग्लोबल बिड जारी कर दी जाएगी। बता दें कि जारी धनराशि से विस्थापित होने वाले प्रभावित लोगों के पुनर्स्थापन व पुनर्व्यवस्थापन पर काम शुरू हो जाएगा। क्योंकि इसके लिए धनराशि भी जारी हो चुकी है। कैबिनेट के फैसले से प्रभावित होने वाले लोगों में खुशी का माहौल बना हुआ है। कार्य की रफ्तार से क्षेत्र के लोगों में भी खुशी का माहौल बना हुआ है। बुलंदशहर जनपद के करीब 27 से अधिक गांवों की जमीन इसमें

"इस संबंध में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से 27 मई को लखनऊ आवास पर मुलाकात हुई थी। काफी गहनता के साथ बातचीत हुई। धनराशि जारी होने की औपचारिकताएं मुलाकात के बाद पूरी कर ली गई।
–धीरेंद्र सिंह, विधायक जेवर

जेवर एयरपोर्ट बनने से बुलंदशहर समेत पूरे पश्चिमी उत्तर प्रदेश को इसका लाभ मिलेगा। रोजगार के साधन मुहैया होंगे। क्षेत्र का सर्वांगीण विकास होगा।

जेवर एयरपोर्ट का ग्लोबल टेंडर कल

■ एनबीटी न्यूज, ग्रेनो : चुनाव आचार संहिता हटते ही जेवर एयरपोर्ट प्रॉजेक्ट ने रफ्तार पकड़ ली है। मंगलवार को लखनऊ में हुई यूपी कैबिनेट की बैठक में एयरपोर्ट निर्माण के लिए बिड-डॉक्युमेंट और एयरपोर्ट से विस्थापित होने वाले किसानों को फिर से बसाने के लिए 894.53 करोड़ रुपये की धनराशि मंजूर कर ली गई। परियोजना के संबंध में निर्णय लेने के लिए मुख्यमंत्री को अधिकृत किया गया। साथ ही यमुना अथॉरिटी के ओएसडी शैलेंद्र भाटिया को नोडल ऑफिसर और ओएसडी बनाया गया है। एयरपोर्ट निर्माण करने वाली कंपनी चुनने के लिए 30 मई को ग्लोबल टेंडर जारी हो जाएगा। नवंबर तक कंपनी का चयन करने का लक्ष्य रखा गया है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय से प्रस्ताव पास कर 9 मई को यूपी सरकार के पास मंजूरी के लिए भेजा गया था।

नोएडा इंटरनैशनल एयरपोर्ट लिमिटेड कंपनी 30 मई को निर्माण एजेंसी चुनने के लिए ऑनलाइन और अखबारों के जरिए टेंडर जारी करेगी। अधिकारियों के अनुसार यूरोप और अमेरिका के अखबारों में भी विज्ञापन जारी होंगे। इसके लिए बुकिंग भी कर ली गई है। 6 महीने में निर्माण एजेंसी चुनने लक्ष्य रखा गया है। अगर सब कुछ टाइम लाइन से चला तो जनवरी 2020 के पहले सप्ताह में एयरपोर्ट का निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा।

894.53 करोड़ रुपये विस्थापित किसानों को बसाने के लिए और बिड डॉक्युमेंट मंजूर

चार चरणों में होगा निर्माण

जेवर एयरपोर्ट का निर्माण चार चरणों में होगा। पहले चरण में 1334 हेक्टेयर जमीन को विकसित कर एयरपोर्ट बनाया जाएगा। सबसे पहले दो रनवे बनाने की योजना है। इसके बाद दूसरे चरण में बाकी रनवे बनाए जाने की योजना है।

क्या है बिड डॉक्युमेंट

बिड डॉक्युमेंट्स में परियोजना के संबंध में जानकारी होती है। इसमें यह भी बताया जाता है कि किस जगह पर क्या बनना है और निर्माण पूरा करने की टाइम लाइन क्या है। लागत और पेमेंट के सभी बिंदु होते हैं। इसके आधार पर ही कंपनियां निर्माण के लिए अपना प्रपोजल देती हैं।

तीन गांवों के किसान होंगे विस्थापित

एयरपोर्ट से प्रभावित तीन गांवों के किसान दूसरी जगह विस्थापित होंगे। किसानों को बसाने के लिए यूपी कैबिनेट में 894.53 करोड़ रुपये का बजट भी जारी किया है। एयरपोर्ट के लिए 6 गांवों की 1334 हेक्टेयर जमीन अधिग्रहण की जा रही है। पहले चरण के लिए 6 गांवों की 1334 हेक्टेयर जमीन अधिग्रहण होना है। अब तक 1500 बीघा जमीन अधिग्रहण की जा चुकी है।

"जेवर एयरपोर्ट के निर्माण के लिए कंपनी चुनने के लिए 30 मई को ग्लोबल टेंडर निकालने की तैयारी है। इसके लिए प्रक्रिया पूरी कराई जा रही है। - *डॉ. अरुणवीर सिंह, सीईओ, नोएडा इंटरनैशनल एयरपोर्ट*

- भारत के साथ-साथ अमेरिका और यूरोप के अखबारों में भी जारी होगा विज्ञापन
- परियोजना के संबंध में निर्णय लेने के लिए मुख्यमंत्री को अधिकृत किया गया

"हवाई अड्डे के लिए 30 मई तक ग्लोबल टेंडर जारी हो जाएंगे। इस संबंध में सोमवार को लखनऊ में सीएम से वार्ता हुई थी। किसानों का पूरा ध्यान रखा जा रहा है। क्षेत्र के विकास में यह मील का पत्थर होगा। - *धीरेंद्र सिंह, विधायक, जेवर विधानसभा*

2020 के पहले सप्ताह में निर्माण शुरू करने और 2023 के अंत तक उड़ान का है टारगेट

6 गांवों की 1334 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण होना है

स्विट्ज़रलैंड की कंपनी बनाएगी जेवर का नोएडा एयरपोर्ट

तीन भारतीय कंपनियों को पछाड़कर लगाई देश के सबसे बड़े एयरपोर्ट के लिए सबसे बड़ी बोली

ग्रेटर नोएडा। जेवर में बनने जा रहे ... रहा है कि अगले एक माह में कंपनी को निर्माण का पत्र मिल जाएगा।

29,560 करोड़ रुपये आएगी निर्माण पर लागत

5000 हेक्टेयर एरिया में होगा नोएडा एयरपोर्ट का निर्माण

Ma Laxmi | JEWAR AIRPORT CITY

News Cuttings

उत्तर प्रदेश जागरण

नई दिल्ली, 31 मई 2019 दैनिक जागरण 5

देश के सबसे बड़े एयरपोर्ट के लिए बिड जारी

प्रदेश की कैबिनेट ने दी है छह रनवे को मंजूरी, पहले चरण के निर्माण पर 15754 करोड़ रुपये का खर्च आने का अनुमान

के संचालन एवं निर्माण के लिए कंपनी का चयन होगा। बिड में शामिल होने के लिए कंपनियां एक जुलाई तक संबंधित जानकारी निआल से ले सकेंगी। निआल इनका निस्तारण 30 अगस्त तक करेगी। कंपनियों को 30 अक्टूबर तक बिड जमा करानी होगी। पंद्रह अक्टूबर तक बिड

ओईसीडी को भी दिया जाएगा मौका : इकोनॉमिक कारपोरेशन एंड डेवलपमेंट (ओईसीडी) को भी इस एयरपोर्ट के निर्माण के लिए जारी की गई बिड में शिरकत करने का मौका मिलेगा। सीईओ निआल ने बताया कि देश में पूर्व में बने एयरपोर्ट की बिड की शर्तों में इन देशों को कम कर के आंका जाता था। ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट के निर्माण में इन शर्तों में बदलाव किया गया है। इसमें ओईसीडी देशों को बिड में हिस्सा लेने का पूरा मौका मिलेगा।

निआल के पास होगा गोल्डन शेयर : एयरपोर्ट के निर्माण के लिए गठित एसपीवी में गोल्डन शेयर निआल के पास होगा। एयरपोर्ट पर किसी प्रकार की गतिविधि को बढ़ाने घटाने का निर्णय निआल लेगी। सभी तरह के फैसलों में अंतिम निर्णय निआल का होगा।

एयरपोर्ट का काम तीन माह में शुरू होगा

इंतजार खत्म | ज्यूरिख हवाई अड्डा चलाने वाली स्विस कंपनी को मौका मिलेगा | 2023 तक पहली उड़ान शुरू करने की तैयारी

डेटर नोएडा | सुनील पाण्डेय

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जेवर के लिए ज्यूरिख एयरपोर्ट इंटरनेशनल एजी कंपनी ने सबसे अधिक बोली लगाई है। शुक्रवार को वित्तीय निविदा खोली गई। इसके साथ लगभग तय हो गया कि यही कंपनी एयरपोर्ट का निर्माण करेगी। प्रदेश कैबिनेट की मुहर के बाद अगले तीन महीने में काम शुरू होने की उम्मीद है।

दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट और गाजियाबाद के हिंडन एयरपोर्ट के बाद जेवर एयरपोर्ट एनसीआर का तीसरा एयरपोर्ट होगा। पीपीपी मॉडल पर बनने वाले इस एयरपोर्ट की वित्तीय निविदा में एक

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जेवर की निविदा में सबसे आगे रहने की खुशी है। यहां बहुत संभावनाएं हैं। इस क्षेत्र में औद्योगिक विकास, यातायात के विकल्प अच्छे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की अर्थ व्यवस्था को 5 ट्रिलियन ले जाने की बात कही है इसलिए सब कुछ अच्छा रहेगा। यहां के सर्वे भी बेहतर आए हैं।

–डेनियन बरचर, सीईओ, ज्यूरिख एयरपोर्ट इंटरनेशनल एजी

सबसे अधिक बोली ज्यूरिख एयरपोर्ट इंटरनेशनल एजी ने लगाई है। अब इसे दो दिसंबर को पीएमआईसी की बैठक में रखा जाएगा। यहां से सहमति और फिर कैबिनेट की मुहर के बाद कंपनी को यह काम आवंटित कर दिया जाएगा। तीन महीने के भीतर के काम शुरू होने की उम्मीद है।

–डॉ. अरुणवीर सिंह, सीईओ, नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड

जेवर एयरपोर्ट की वित्तीय निविदा प्रक्रिया में शामिल नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड और ज्यूरिख एयरपोर्ट इंटरनेशनल एजी के अधिकारी। • हिन्दुस्तान

इन शहरों को सीधा फायदा

Ma Laxmi JEWAR AIRPORT CITY

News Cuttings

2022-23 से सालाना 8 करोड़ यात्री भरेंगे उड़ान

जेवर में प्रस्तावित एयरपोर्ट पर चल रहे सर्वे की प्राथमिक रिपोर्ट में बात आई सामने

अमर उजाला ब्यूरो

ग्रेटर नोएडा।

नोएडा एयरपोर्ट की उड़ान 2022-23 में आठ करोड़ सालाना यात्रियों से शुरू होगी। 2050 तक करीब 20 करोड़ यात्री हो जाएंगे, जबकि

20 करोड़ यात्री वर्ष 2050 तक कर सकेंगे हवाई सफर

2 रनवे पहले चरण में बनेंगे, अगले चरण में फिर दो बनेंगे

क्षमता होगी। तब तक नोएडा एयरपोर्ट बनाने का लक्ष्य है, जिससे दिल्ली एयरपोर्ट के यात्रियों को जेवर की तरफ डायवर्ट कर दिया जाएगा। इसके बाद दूसरे चरण पर काम होगा। इस चरण में भी दो रनवे बनेंगे, जो 2050 तक की जरूरत को पूरा करेंगे। 5000 हेक्टेयर में

केंद्र को भेजा जाएगा। वहां से सैद्धांतिक स्वीकृति मिलने के बाद टेंडर जारी होगा। दूसरी तरफ जीबीयू ने चार गांवों के सोशल इंपैक्ट की रिपोर्ट बना ली है। एयरपोर्ट की नोडल एजेंसी के रूप में यीडा इसका अध्ययन कर रहा है। पहला चरण करीब 1300 हेक्टेयर का है।

Metro line connecting to Jewar airport will have 25 stations, DMRC presents first plan

Updated May 09, 2019 | 13:27 IST | ET Now Digital

The entire metro corridor will be 35.64km long of which 32.27km will be elevated and the remaining will be underground near the upcoming airport.

नोएडा LIVE सिटी

टेंडर निकलने के साथ ही प्रदेश सरकार ने मंजूरी दी, सर्वे करने का काम पीडब्ल्यूसी को सौंपा गया

फैसला : जेवर एयरपोर्ट में चार और रनवे बनेंगे

एयरपोर्ट 1334 हेक्टेयर जमीन पर बनेगा

Ma Laxmi | JEWAR AIRPORT CITY

News Cuttings

जेवर को दिल्ली से जोड़ने का खाका पेश

तरक्की की उड़ान

ग्रेटर नोएडा | वरिष्ठ संवाददाता

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जेवर से दिल्ली को जोड़ने (कनेक्टिविटी) के लिए सरकारी एजेंसी राइट्स ने सड़क, हाई स्पीड ट्रेन व मेट्रो का विकल्प सुझाया है।

एजेंसी ने दो सड़क मार्ग, दो रैपिड रेल के रूट और एक मेट्रो का रूट बताया है। इसके अलावा अलीगढ़ और भरतपुर शहरों को जोड़ने के लिए सड़कों के चौड़ीकरण का सुझाव दिया है। किस रूट पर कितना पैसा खर्च होगा, इसका भी आकलन किया गया है।

राइट्स ने इसकी प्रारंभिक रिपोर्ट नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (नियाल) को सौंप दी है। विस्तृत रिपोर्ट भी जल्द मिलने की उम्मीद है। जेवर एयरपोर्ट से 2023 में उड़ान शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है। अभी जमीन अधिग्रहण का काम चल रहा है। यह काम जिला प्रशासन कर रहा है और

रैपिड रेल से भी जुड़ सकता है एयरपोर्ट

1 जेवर एयरपोर्ट को रैपिड रेल से जोड़ा जा सकता है। इसके लिए दो रूट सुझाए गए हैं। पहले रूट की लंबाई 88 किलोमीटर होगी। इसमें 62 किलोमीटर एलिवेटेड और 26 किलोमीटर अंडरग्राउंड होगा। इसमें से केवल अंडरग्राउंड बनाना होगा। इसमें 8680 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

2 रैपिड रेल का दूसरा विकल्प भी दिया गया है। यह दिल्ली-अलवर व दिल्ली-पलवल रूट के सहारे होगा। इसकी लंबाई 98 किलोमीटर होगी। इसमें 72 किलोमीटर एलिवेटेड और 21 किलोमीटर अंडरग्राउंड होगी। इसमें से केवल 25 किलोमीटर एलिवेटेड बनाना होगा। इस पर 3500 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

मेट्रो से दक्षिणी दिल्ली से जोड़ेंगे

राइट्स ने दक्षिणी दिल्ली से जेवर एयरपोर्ट को जोड़ने का सुझाव दिया है। यह रूट 81.56 किलोमीटर होगा। इसमें 66.6 किलोमीटर एलिवेटेड और 14 किलोमीटर अंडरग्राउंड होगा। इसमें से 14 किलोमीटर एलिवेटेड और 1 किलोमीटर अंडरग्राउंड बनाना होगा। इसमें 2540 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

प्रस्तावित सड़क मार्ग

- अरबन एक्सटेंशन रोड - 2 से यमुना एक्सप्रेस वे से जोड़ा जाएगा। अनुमानित खर्च - ₹ 3740 करोड़ रूट 82 किलोमीटर
- अणुव्रत मार्ग और एमबी रोड से यमुना एक्सप्रेस वे को जोड़ा जाए। अनुमानित खर्च - ₹ 5445 करोड़ रूट - 78.5 किलोमीटर

Ma Laxmi | JEWAR AIRPORT CITY

Feature/ Amenities

- ❖ **Boundary facility.**
- ❖ **Wide and Rugged Roads, Lights and Trees on both side of roads.**
- ❖ **Community Center, School, Temple, Hospital, Park.**
- ❖ **Public Utility (Clubhouse, Swimming pool, and Tennis Court).**

Ma Laxmi | JEWAR AIRPORT CITY

Development Plan

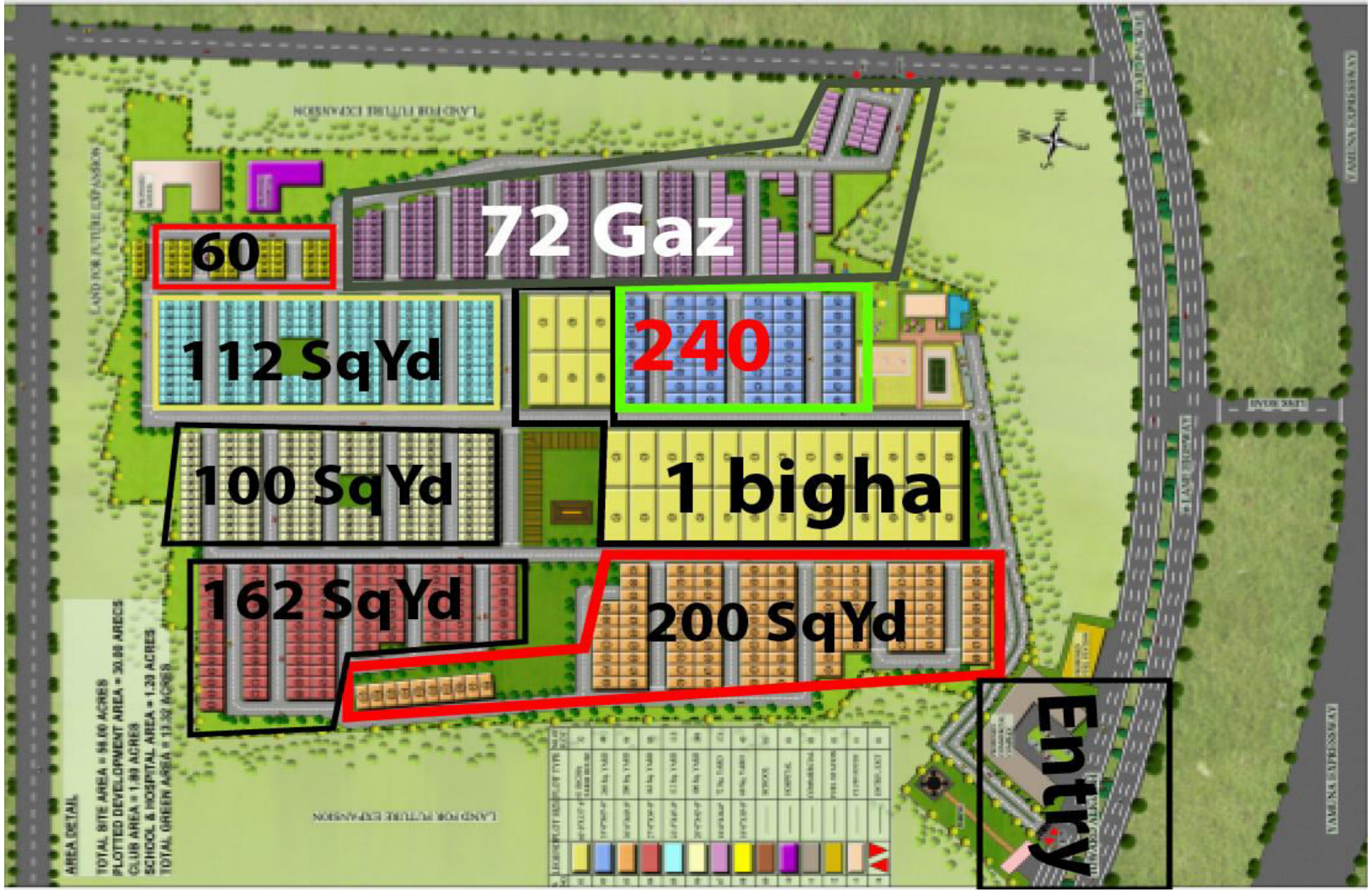

Ma Laxmi | JEWAR AIRPORT CITY

Rates List

Plot Size	Dimension	Price
72	18x36	6,48,000
100	20x45	9,00,000
112	22x45	10,08,000
162	27x54	14,58,000
200	30x60	18,00,000
240	33x65	21,60,000
1 Bigha(918)	60x137	82,62,000

Corner Plot
PLC- Rs 500

Park Facing
PLC- Rs. 500

Ma Laxmi | JEWAR AIRPORT CITY

Payment Plan

PAYMENT PLAN			
A- Down Payment Plan {45 Days}		BSP Rs.9000/- Sq. Yd	
S.No	Payment Duration		Percentage Of Total Amount(T.A)
1	At the time of Booking		20% Of T.A
2	At the time of Registry		80% Of T.A+ Other Chareges
B- Super flexi Payment Plan {6 Month}		BSP Rs.9500/- Sq. Yd	
S.No	Payment Duration		Percentage of Total Amount (TA)
1	At the time of Booking		20% Of TA
2	After 45 days Booking		25% Of TA
3	After next 45 days		25% Of TA
4	At the time of Registry		30% Of TA+ Other Charges
Other Charges: Stamp duty, Registration fee, Mutation Charges, Service Tax (if any) as applicable shall be additionally payable by clients(s) before possession as as when demanded by the company			
TA Includes			
Basic Selling Price(BSP)			
Preffered Location Charges(PLC): If Applicable			
External Development Charges(EDC): If Applicable			

Ma Laxmi | JEWAR AIRPORT CITY

Site View On Google Map

Site View On 200 Meter Height